इन्टरव्यू ३३
स्थान तिल भाण्डेश्वर

प्र: आपका नाम क्या है ?
ज: मेरा नाम अर्ब्दुरहमान है।

प्र: आपकी उम्र कितनी है ?
ज: मेरी उम्र लगभग 20 वर्ष है।

प्र: आप ये क्या काम कर रहे हैं ?
ज: ये बनारसी साड़ी की डिजाइन हम लोग बना रहे है।

प्र: 'जकार्ड' बोलते है न इसको ?
ज: हां जकार्ड बोलते हैं।

प्र: तो आपको आर्डर मिलता है इसको बनाने का ?
ज: जी हां।

प्र: किससे मिलता है ?
ज: जो साड़ी बुनाने वाले लोग है, व्यापारी होते हैं बड़े व्यापारी, तो हमको ये खाको को देते हैं, हम लोग इसी को छपाकर काम करते हैं, ये देखिये (ग्राफ पेपर पर डिजाइन दिखाते हुए) ये किए है, इसी को देखकर हम लोग डिजाइन बनाते हैं।

प्र: व्यापारी लोगों को कस्टमर देते हैं डिजाइन ?
ज: हां।

प्र: और व्यापारी लोग खुद आप लोगों तक पहुंचाते है डिजाइन ?
ज: नहीं व्यापारी लोग खुद अपने दिमाग से बनाते है इसको।

प्र: अच्छा आप लोग डिजाइन नहीं बनाते आप लोग सिर्फ उससे जकार्ड पर उतारते हैं ?
ज: हां।

प्र: डिजाइन बनाने का काम किसी और का होता है ?
ज: हां तो किसी और का होता है, जैसे कि इसमें जो डिजाइन हम उतारे हैं, उसमें बोल देते हैं, ये बना दीजिये। (अन्य)- ये सिर में डिजाइन है न, बिलकुल इसी तरह फिर सेम डिजाइन आपको साड़ी पर मिलेगी, बस इसमें बड़ा है, उसमें छोटा फूल आपको मिल जायेगा।

प्र: अच्छा ये बताइये कि जो पूरी साड़ी का आर्डर आपको मिलता होगा तो जैसे कि एक साड़ी का डिजाइन का आर्डर मिला तो उसका कितना लोग देते हैं आपको ?
ज: ऐसा है कि 100 का हम लोगों को 60 रुपये मिलता है, हम लोगो को।

प्र: क्या 100 रुपया का ?
ज: हां जैसे 100 पत्ता हमको काटना है, तो 100 काटेंगे तो 60 रुपये मिलेगा। तो उसी आधार पर होता है, अब जैसे ये खाका जो है तो उसमें हजार भी आ जाता है 1000 भी आ जाता है 500 भी आ जाता है, तो उसी आधार पर आ जाता है।

प्र: अच्छा जिस हिसाब से डिजाइन होती है तो डिजाइन के हिसाब से पत्ता कटता है ?
ज: हां।

प्र: तो कितना कटेगा ये डिजाइन पर रहता है ?
ज: हां।

प्र: और सौ पत्ता का 60 रुपया मिलता है ?
ज: हां।

प्र: तो ये बताइये आप लोग एक दिन में एक साड़ी का डिजाइन काट पाते हैं ?
ज: नहीं दो दिन भी लग जाता है, अगर डिजाइन छोटी है तो एक दिन लग जाता है अगर बड़ी है तो दो दिन भी लग जाता है, तीन दिन भी लग जाता है, इसी आधार पर होता है।

प्र: अच्छा आप लोगों का महीने का कितने का आर्डर हो मिल जाता है ?
ज: हम लोगों का महीने का आर्डर व्यापारी से 5-6 हजार का मिल जाता है।

प्र: 5-6 हजार मुनाफे का मिल जाता है ?
ज: हां।

प्र: जिसमें आप लोग ये सब भी तो खरीदते होंगे ?
ज: हां, बस सब उसी में एडजस्ट होता है जो मजदूरी देना होता है, उसमें गत्ती वगैरह भी प्रोफिट क्या होगा उसमें।

प्र: तो महीनों का प्रॉफिट कितना होता है ?

ज: प्रॉफिट तो हमारे अन्दाज से महीने का ये एक सौ पर हम लोगों को 10 रुपया बचता है।

प्र: एक सौ पर केवल दस रुपया ?
ज: दस रुपया केवल बचता है, अब प्रोडक्शन के ऊपर है, प्रोडक्शन ज्यादा हो गया तो उसी हिसाब से हम लोग को मुनाफा होता है, अगर काम हो रहा है ऑर्डर दे तो उसी हिसाब से होता है, तो मुनाफा बढ़ता रहता है और नहीं होता है तो नहीं होता है मुनाफा लेकिन चल जाती है दाल रोटी।

प्र: आपके घर का ये पुश्तैनी काम है या पहले आप लोग बुनकारी में थे, बाद में इसमें आये ?
ज: नहीं और भी हमारे कुछ कैमलिस है जो कि बुनकारी में है।

प्र: आपके अब्बू भी यही काम करते थे या आप ?
ज: नहीं हमारे फादर बुनकारी का काम करते थे, बुनकर है।

प्र: आप इसमें आ गये ?
ज: जी हां।

प्र: अच्छा ये काम तो सीखना पड़ता है न ?
ज: हां सीखना पड़ता है।

प्र: तो आप भी सीखें होंगे ?
ज: हां।

प्र: यही पर रहकर सीखें होंगे ?
ज: हां, और भी कई पुराने हैं।

प्र: तो ये बताइये आप इस काम में क्यों आ गये बुनकारी छोड़कर ?
ज: एक्चुली ऐसा है न हमने इसको कोई जरूरी नहीं समझा अब उसमें ये की बुनकारी लाइन से हैं, इसको सीखा, एक न एक दिन तो इस लाइन में आया ही है कारण ये है कि और भी ये ईजी हो गया, इसीलिए हम इसमें आये है।

प्र: इसमें ज्यादा फायदा है, या बुनकारी में ?
ज: नहीं, बुनकारी में ज्यादा फायदा में, साड़ी में ज्यादा फायदा है।

प्र: आपके घर में दूसरे लोग भी इसी काम में है या बिनाई करते हैं ?
ज: नहीं बिनाई करते है।

प्र: कितने लोग है और ?
ज: और मेरे घर में तो हमारी फैमली में 10 लोग हैं।

प्र: सब लोग बुनकारी में हैं ?
ज: नहीं सब नहीं है, अभी तो दो तीन है छोटे-छोटे भाई है, पढ़ रहे है और जैसे हमारे दो भाई है बड़े वो बुनकारी

में हैं।

प्र: कितने करघे हैं आपके पास ?
ज: हमारे पास तो सिर्फ दो ही है।

प्र: पावरलूम है या हैण्डलूम ?
ज: न हैण्डलूम हम लोगों के यहां जो भी काम होता हे हैण्डलूम, पावरलूम भी होता है लेकिन कम होती है।
अन्य- आप जहां नाटी इमली हो कर आयी हैं न उधर सब पावरलूम मिलेगा, इधर हैण्डलूम है।

प्र: अच्छा तो ये बताइये एक करघे पर जैसे भाई आप के बुन रहे हैं तो एक महीने में उनका ज्यादा मुनाफा होता होगा या आपका ?
ज: नहीं, उनका।

प्र: उनका ही होगा ?
ज: हां, हम लोगों का महीने में समझ लीजिये, हम लोगों को मन्थली मशीन 2500 पड़ेगा, मेहनत करेंगे तो उनका 4000 पड़ जायेगा।

प्र: आप तो बहुत साल से होंगे इस लाइन में ?
ज: करीब 10-12 साल हो गया।

प्र: तो आप थोड़ा बहुत तो जानते ही होंगे कि पहले के मुकाबले अब की स्थिति में क्या किस तरह का बदलाव आया है, अच्छी हुई है स्थिति या खराब हुई है या वैसी ही है ?
ज: स्थिति तो सुधरी नहीं है डिजाइन के ऊपर होता है न डिजाइन चेंज होती है, प्रोडक्शन उतना ही होता है।
अन्य- आप किस चीज की स्थिति के बारे में पूछ रही हैं, मतलब कमाई के बारे में या.....

प्र: कमाई के बारे में ?
ज: कमाई के बारे में पहले से और खराब हुई है कमाई होती नहीं है बस खाली चल रहा है दाल रोटी चल रही है बस यही बहुत है।

प्र: आप लोग को तो ये डिजाइन वाला काम पावरलूम से भी मिलता है ?
ज: पावरलूम से तो मिलता है लेकिन हम लोगों को आता नहीं है न।

प्र: अच्छा पावरलूम का डिजाइन दूसरा होता है ?
ज: हां वो दूसरा होता है (डिस्टरबैंस ट्रेफिक का)

प्र: अच्छा तो दूसरा होता है, यह लोग नहीं बना सकते ?
ज: हां हम लोग उसको नहीं काट सकते।

प्र: अच्छा तो ये बताइये कि आप लोग को जो लगता है कि स्थिति ज्यादा खराब है, तो कितने साल से ?
ज: ये करीब पांच साल से

अन्य- जबसे हम लोग होश संभाले तबसे तो खराब ही चल रही हैं।
पहले कम था, लेकिन अब थोड़ा ज्यादा हो गया है हर चीज का दाम बढ़ता हे, इसका नहीं बढ़ता।

प्र: कारण क्या है ?
ज: कारण क्या है, यही तो नहीं मालुम हो रहा है न, कारण ही तो नहीं मालुम हो रहा है, अब लोग सोचते है कि पांच साबुन है तो एक साबुन फ्री दोगे, यहां कम ही हो ही नहीं रहा तो फ्री देगें इसी से सेल नही हो पा रहा है पोजीशन डाउन चल रहा है।

प्र: तो आप लोग को आर्डर भी कम मिला होगा ?
ज: कम मिलता है जब बिकेगा नही साड़ी तो कहां से आप कल तो लोग ज्यादातर जींस स्कर्ट टी शर्ट लेडिज हो चाहे जेन्टस हेा, जब जींस, साड़ी कौन पहिन रहा, आजकल हिरोइन भी साड़ी पहिनती।

प्र: अच्छा ये बताइये यहां पर कोई बुनकर समिति भी है क्या ?
ज: नहीं कोई समिति नहीं है यहां सब अपने आप में मालिक है समिति, कोई समिति नही है।

प्र: कोई नहीं है समिति ?
ज: नहीं हम लोगों का कोई समिति बुनकर समिति नही हैं बुनकर मामले में कोई समिति नहीं हैं बड़न में कुछ मिलेंगे आपको पर बुनकार में कोई समिति नही है।

प्र: आप लोग कभी बनाने का प्रयास भी नही किये ?
ज: कोई प्रयास भी करते है तो बहुत से लोग सवाल देने लगते है क्या होगा कैसे होगा, जैसे चल रहा वैसे सब चलता रहेगा बस यही सब है।
अन्य- सबको यही लगता है आप अपना करिये हम अपना करते है, लेकिन कोई कर नही लगाये चाहत जितने में कर...(आवाज स्पष्ट नहीं)
बनारसी साड़ी की पोजीशन बहुत डाउन हो गयी है।

प्र: तो आप लोग जब आगे के लिए क्या सोच रहे हैं आगे क्या करेंगे ?
ज: अब आगे क्या करेंगे, यही हम लोग सीहुए है, तो और करेंगे। (किसी ने कुछ कहा और सब हंसने लगे) कह रहे है कि आगे कब्रस्तान है और क्या, बस जो सीखा गया है उसी पर न हम लोग चलेंगे, अब उम्र बढ़ने पर कोई दूसरा धंधा सीखेंगे पढ़ लिख कर के भी हम लोग 8-10 जो पढ़े है सब इसी लाइन में आये है बस, नौकरी भी तो नहीं मिलेगी पैसा भी नहीं कि नौकरी मिलेगी, उसमें सरकार भी हम लोग को कुछ ध्यान नहीं देती।

प्र: सुने है सरकार की ऐसी योजना है कि बुनकरों को ऋण देती है ?
ज: हम लोग तो कभी नही सुने।
अन्य- आती भी है न तो बुनकरों को कोई देता नही कि बुनकर को क्यों दे, उस पर तो कोई ध्यान नहीं देता।

प्र: अच्छा ये डिजाइनिंग पर ?
ज: हां जबकि ये भी बुनकर ही है मतलब ये बुनकर है ही पर इसको लोग देते नही, जब तक हम लोग बनायेंगे नही साड़ी नहीं बनेगी। जैसे शाम को छः बजे लाइट चली जायेगी अब बैठ रहेंगे इसी तरह, लाइट आये तो काम हो... (डिस्टरबैंस)

अन्य- अब समझ लीजिये 2000 में आदमी कहां तक खायेगा।

प्र: यहां पर कभी कोई समिति नहीं रही है ?
ज: होंगे भी तो हम लोग को कैसे जानकारी नही है। अब जैसे अलईपूरा की तरफ आप गयी नहीं उधर आज को मिलेगा।

प्र: उधर तो अभी हम लोग नही गये ?
ज: मतलब नाटी इमली साइड, अलईपुरा, आदमपुरा ये सब जगह मिलेगा वहां हैण्डलूम नहीं है सब पावरलूम आपको मिलेगा, उधर पावरलूम मिलेगा इधर हैण्डलूम
अन्य महिला आवाज- हम लोग का तो पूछ ली अपना बताओ।
पुरूष - ये लोग दिल्ली से आई है न
वहां का दूसरा है हिसाब किताब सब अलग है।

प्र: बहुत सारे लोग बोलते हैं कि पावरलूम के कारण, तो आप लोगों को भी ऐसा लगता हैं ?
ज: हां पावरलूम के कारण... वो लोग की साड़ी बनती है 500 मी हैण्डलूम में बनती है हजार रुपया की इसीलिए और नहीं बिकती है, वही चीज जब आपको मिलेगा पावरलूम से तो कम में मिलेगा।

प्र: अच्छा आप लोग भी अपना नाम बता दीजिये (अन्य से) ?
ज: हमारा नाम है
1. अजीजुर्रहमान
उम्र 20 साल
2. शमीम अख्तर
उम्र 25 साल